



Vivek

28 Feb 2004

07:35 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121520404

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 28/02/2004  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 19:35:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 31:51:29 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Simla  
राज्य \_\_\_\_\_: Himachal Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 31:06:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:10:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:20 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 19:13:40 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:12:42 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:44:39 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:50:24 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:18:04 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:27:40 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 15:24:42 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 02:46:09 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रोहिणी - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: विष्कुम्भ  
करण \_\_\_\_\_: बव  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: वू-वुभेश  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

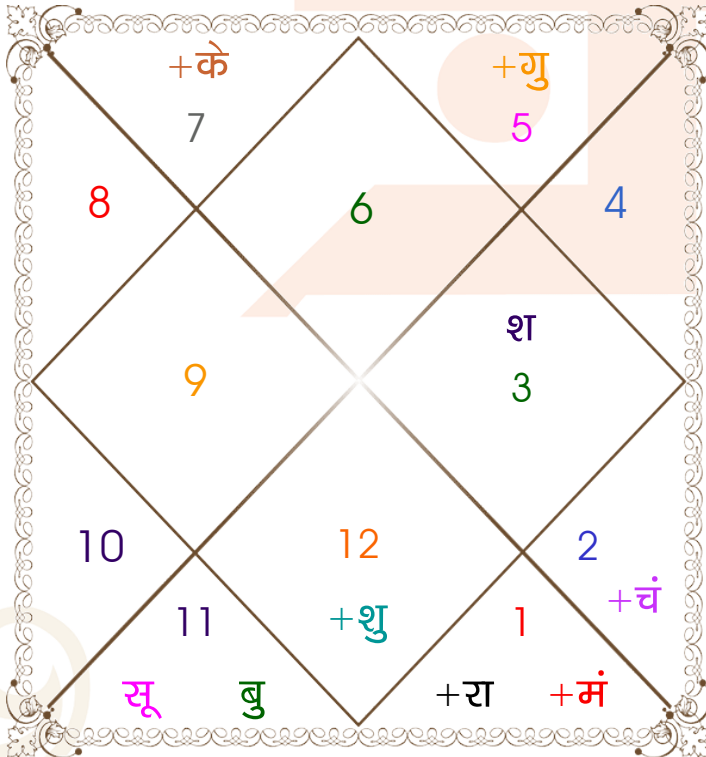
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:46:09	311:48:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	15:24:42	01:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	20:13:11	11:48:36	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			मेष	22:09:33	00:38:28	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध	अ		कुंभ	11:34:03	01:49:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:39:17	00:07:47	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	29:09:50	01:07:57	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:26:06	00:00:54	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मेष	19:38:24	00:00:27	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	19:38:24	00:00:27	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:14:49	00:03:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:55:31	00:02:06	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:09:36	00:00:50	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	02:33:45	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

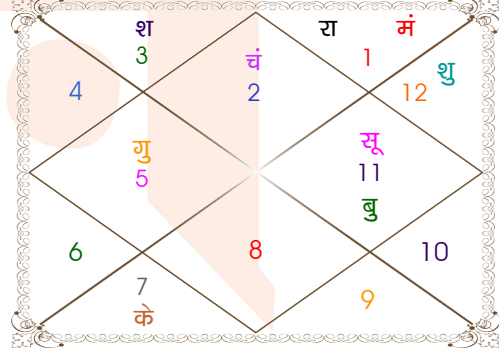
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:44

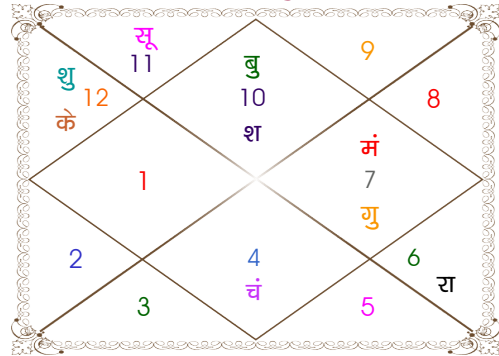
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 4 मास 0 दिन**

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
28/02/2004	30/06/2006	30/06/2013	01/07/2031	01/07/2047
30/06/2006	30/06/2013	01/07/2031	01/07/2047	30/06/2066
00/00/0000	मंगल 26/11/2006	राहु 12/03/2016	गुरु 18/08/2033	शनि 03/07/2050
00/00/0000	राहु 15/12/2007	गुरु 06/08/2018	शनि 29/02/2036	बुध 12/03/2053
00/00/0000	गुरु 20/11/2008	शनि 12/06/2021	बुध 06/06/2038	केतु 21/04/2054
00/00/0000	शनि 30/12/2009	बुध 30/12/2023	केतु 13/05/2039	शुक्र 21/06/2057
00/00/0000	बुध 27/12/2010	केतु 17/01/2025	शुक्र 11/01/2042	सूर्य 03/06/2058
28/02/2004	केतु 25/05/2011	शुक्र 17/01/2028	सूर्य 30/10/2042	चंद्र 02/01/2060
केतु 30/04/2004	शुक्र 24/07/2012	सूर्य 11/12/2028	चंद्र 29/02/2044	मंगल 10/02/2061
शुक्र 30/12/2005	सूर्य 29/11/2012	चंद्र 12/06/2030	मंगल 04/02/2045	राहु 18/12/2063
सूर्य 30/06/2006	चंद्र 30/06/2013	मंगल 01/07/2031	राहु 01/07/2047	गुरु 30/06/2066

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
30/06/2066	01/07/2083	30/06/2090	01/07/2110	01/07/2116
01/07/2083	30/06/2090	01/07/2110	01/07/2116	00/00/0000
बुध 26/11/2068	केतु 27/11/2083	शुक्र 30/10/2093	सूर्य 19/10/2110	चंद्र 01/05/2117
केतु 23/11/2069	शुक्र 26/01/2085	सूर्य 30/10/2094	चंद्र 19/04/2111	मंगल 30/11/2117
शुक्र 23/09/2072	सूर्य 03/06/2085	चंद्र 30/06/2096	मंगल 25/08/2111	राहु 01/06/2119
सूर्य 30/07/2073	चंद्र 02/01/2086	मंगल 30/08/2097	राहु 19/07/2112	गुरु 30/09/2120
चंद्र 30/12/2074	मंगल 31/05/2086	राहु 31/08/2100	गुरु 07/05/2113	शनि 01/05/2122
मंगल 27/12/2075	राहु 18/06/2087	गुरु 02/05/2103	शनि 19/04/2114	बुध 01/10/2123
राहु 15/07/2078	गुरु 24/05/2088	शनि 01/07/2106	बुध 24/02/2115	केतु 29/02/2124
गुरु 20/10/2080	शनि 03/07/2089	बुध 01/05/2109	केतु 02/07/2115	00/00/0000
शनि 01/07/2083	बुध 30/06/2090	केतु 01/07/2110	शुक्र 01/07/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़वस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोत्तम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते हैं कि आपकी छोटी से महत्वाकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरुत्साहित नहीं हैं। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरुष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानान्तरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता है। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृत्ति के अहंकार से युक्त पुरुष हैं। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृत्ति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्त रोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।